शेफ चूहा

यह कहानी
रैमी की है,
एक ऐसे
छोटे चूहे की
जो बहुत बड़े
सपने
देखता था.
रैमी अन्य चूहों जैसा नहीं था.
क्योंकि उसकी सूंघने की शक्ति असाधारण थी.
SMELL.
स्वादिष्ट खाने
भी उसे बहुत
पसंद थे.
और इसीलिए रैमी का सपना था
कि एक दिन
वह एक शैफ बनेगा.

लेकिन रैमी के पिता
जैंगो ने कुछ और
सोच रखा था.

वह चाहते थे कि रैमी
ज़हर की जांच करने वाला बने.
कूड़े के ढेर में चूहों को अपना
सारा खाना मिलता था. रैमी का काम था
खराब कूड़े से अच्छे कूड़े को छांट कर
अलग करना.
लेकिन यह उसका सपना न था.
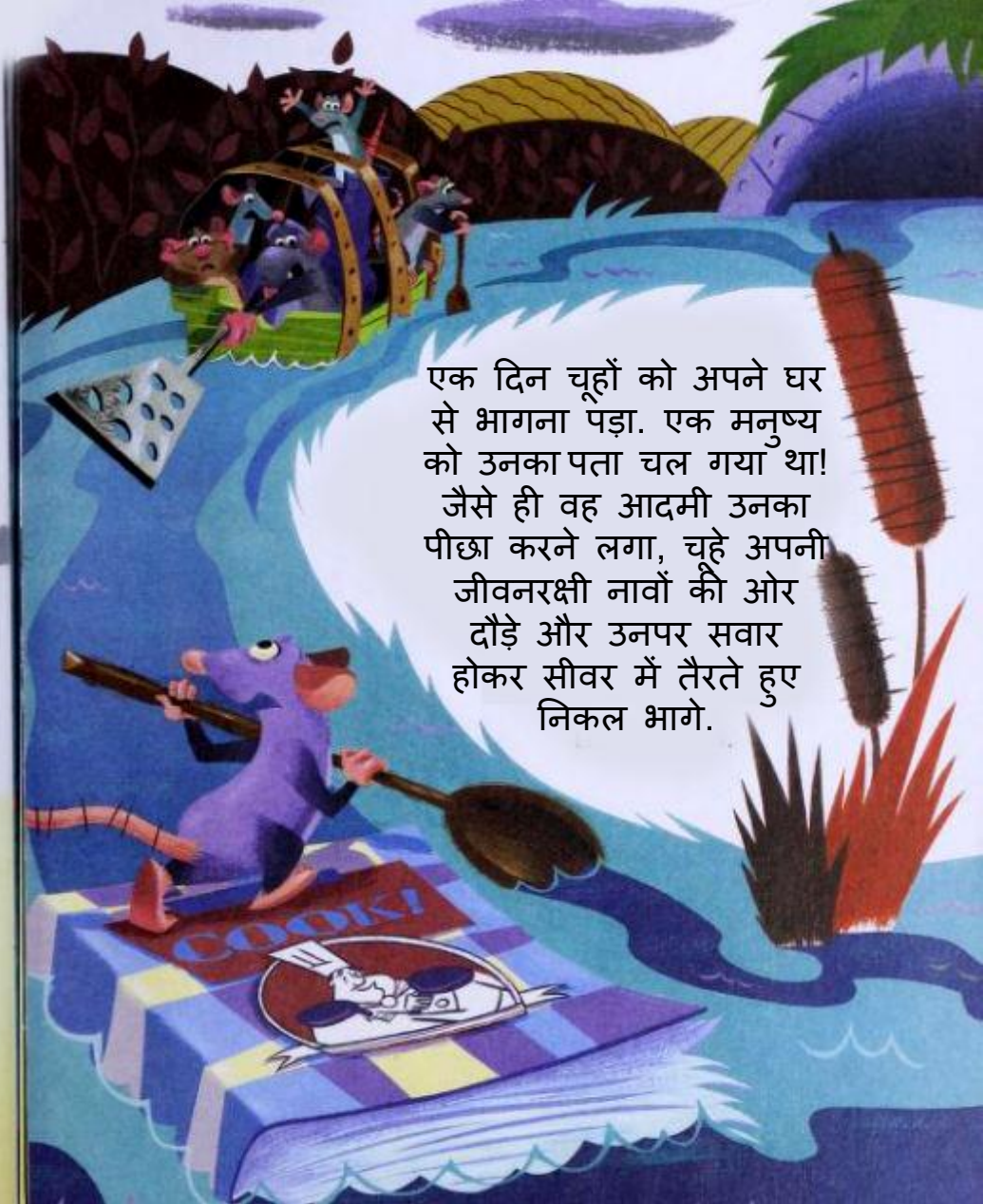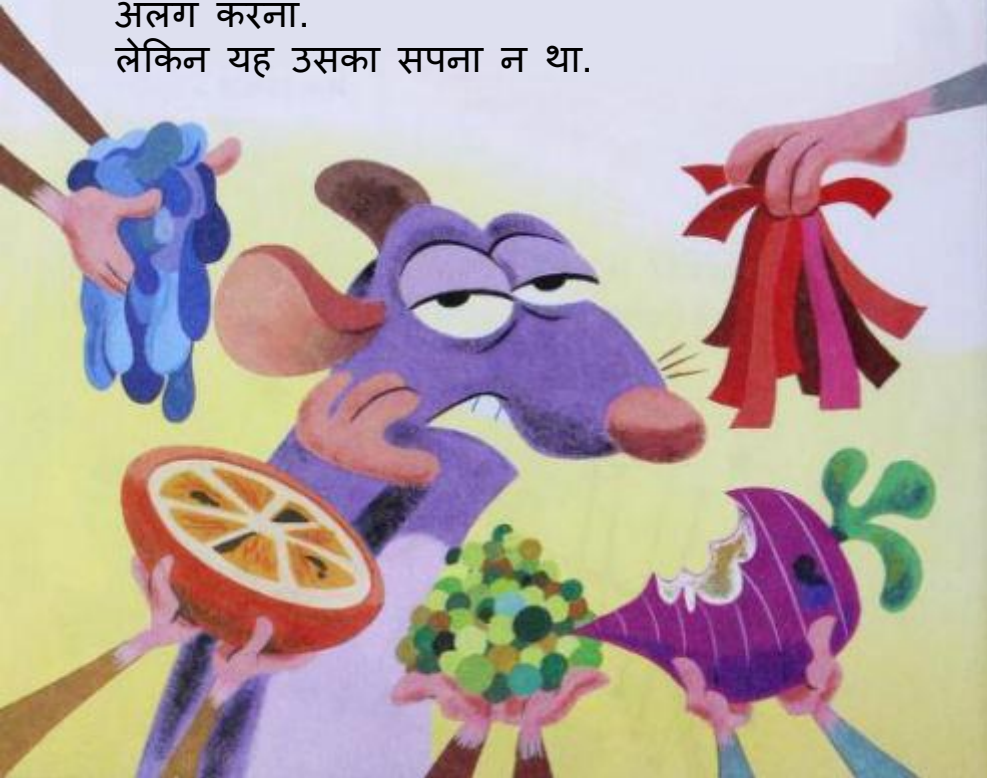
एक दिन चूहों को अपने घर
से भागना पड़ा. एक मनुष्य
को उनका पता चल गया था!
जैसे ही वह आदमी उनका
पीछा करने लगा, चूहे अपनी
जीवनरक्षी नावों की ओर
दौड़े और उनपर सवार
होकर सीवर में तैरते हुए
निकल भागे.

रैमी अपने साथियों से
अलग हो गया और भटकता हुआ
पेरिस
के एक महंगे रेस्त्रां में पहुँच गया.
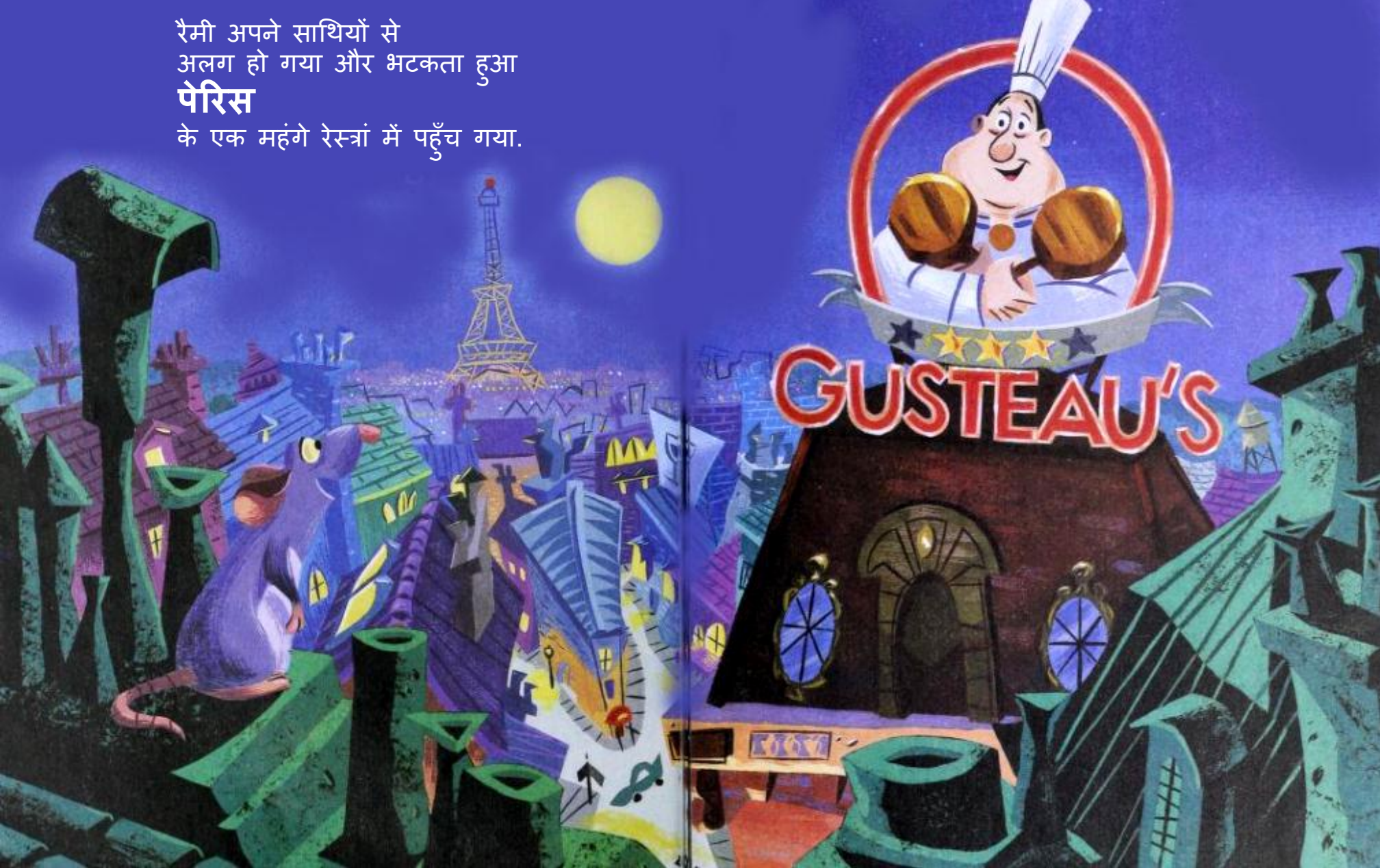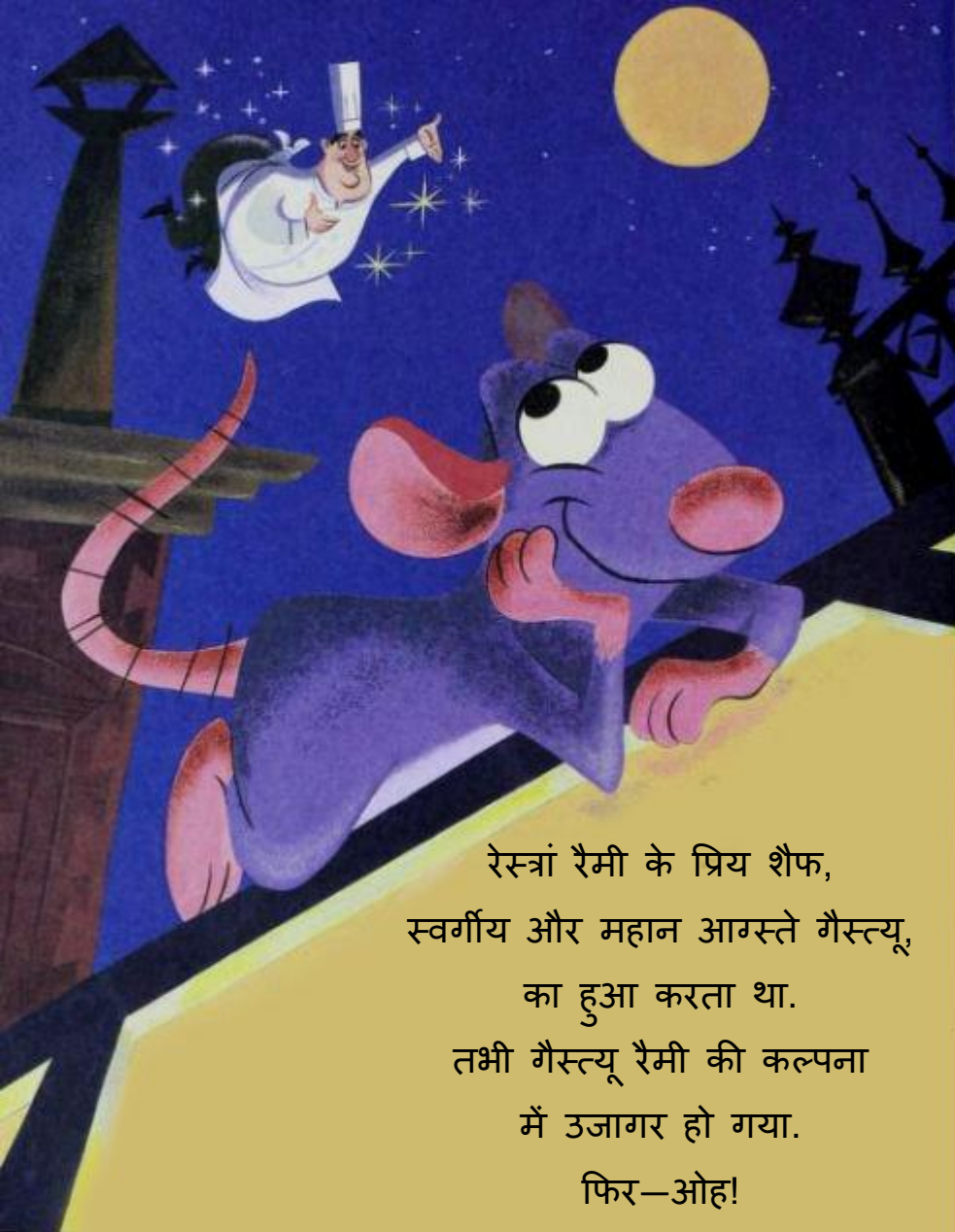
रेस्त्रां रैमी के प्रिय शैफ,
स्वर्गीय और महान आग्स्ते गैस्त्यू,
का हुआ करता था.
तभी गैस्त्यू रैमी की कल्पना
में उजागर हो गया.
फिर—ओह!

रैमी एक रोशनदान से
सीधा किचन में आ गिरा.

रैमी के लिए वो रेस्त्रां
बहुत रोमांचक जगह थी,
लेकिन डरावनी भी थी.
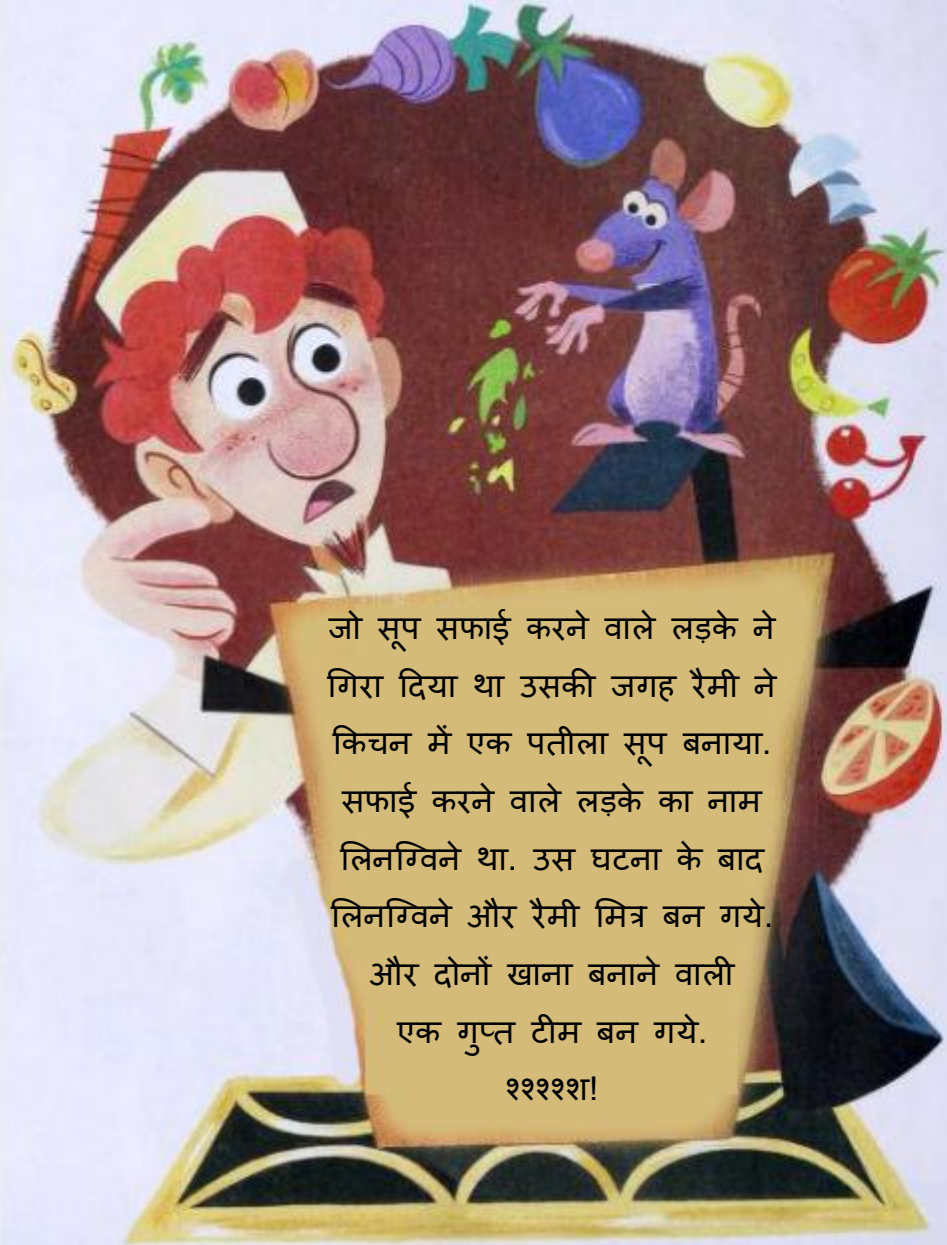
जो सूप सफाई करने वाले लड़के ने
गिरा दिया था उसकी जगह रैमी ने
किचन में एक पतीला सूप बनाया.
सफाई करने वाले लड़के का नाम
लिनग्विने था. उस घटना के बाद
लिनग्विने और रैमी मित्र बन गये.
और दोनों खाना बनाने वाली
एक गुप्त टीम बन गये.
श्श्श्श्श!

उधर जैंगो और अन्य चूहों ने पेरिस के
अंधेरे सीवर में अपना नया घर बना लिया.
लेकिन रैमी के बिना सब कुछ पहले जैसा न था.
जैंगो को पूरी आशा थी कि
एक दिन उसका बेटा रैमी
उसे फिर मिल जायेगा.
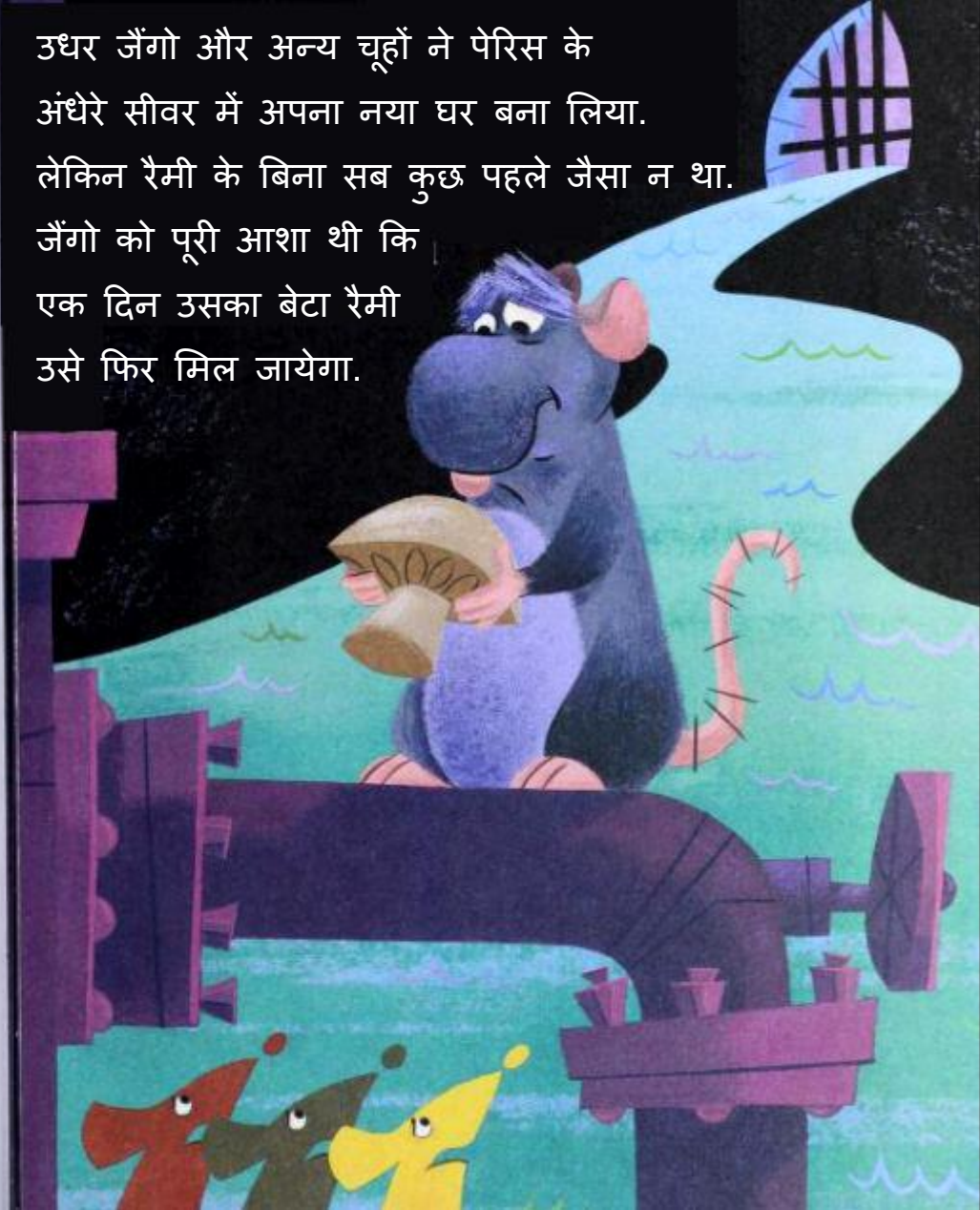
लेकिन रैमी बहुत खुश था.
अपने परिवार की कमी उसे
खल रही थी
लेकिन अब उसे
मनचाहा काम मिल गया था.
लिनग्विने के साथ काम करते हुए
वह उत्तम खाना बना रहा था
यद्यपि कि उसे छिप कर रहना
पड़ता था.
मानव शैफ अपनी किचन में
एक चूहा न चाहते थे.
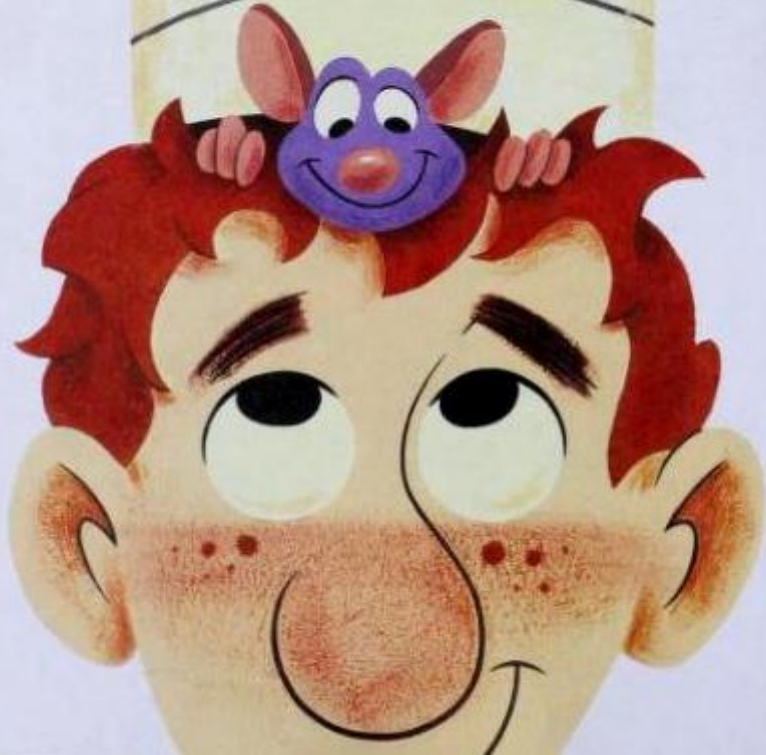
एक दिन अद्भुत खाना बनाने के बाद सारे शैफ किचन में उत्सव मना रहे थे. रैमी भी पिछली गली में खुशियाँ मना रहा था कि......

........उसकी भेंट अपने भाई

एमिल

के साथ हुई!

एमिल रैमी को सीवर के अंदर
चूहों की नई बस्ती में स्थित
अपने घर ले गया.
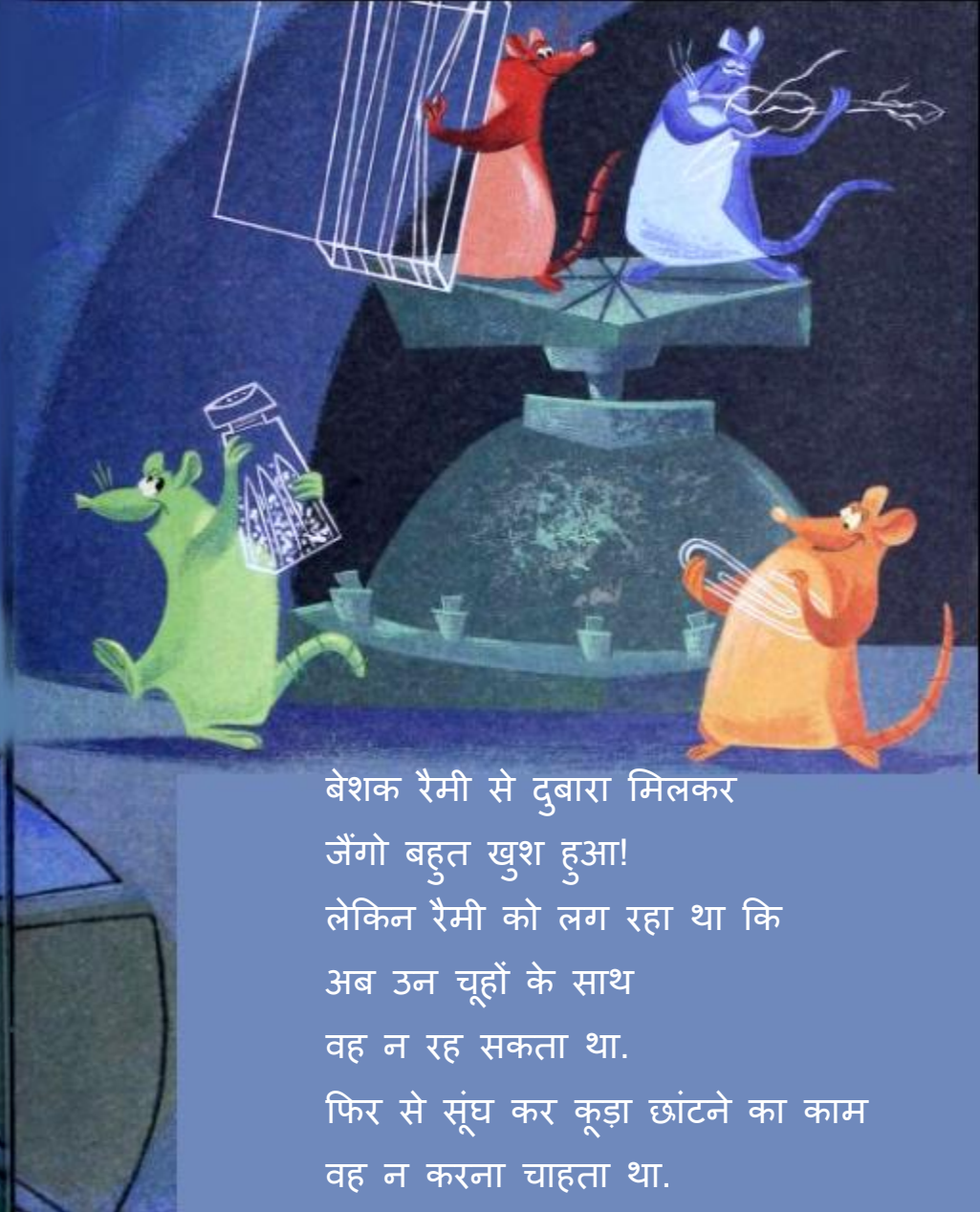
बेशक रैमी से दुबारा मिलकर
जैंगो बहुत खुश हुआ!
लेकिन रैमी को लग रहा था कि
अब उन चूहों के साथ
वह न रह सकता था.
फिर से सूंघ कर कूड़ा छांटने का काम
वह न करना चाहता था.

"मेरे मित्र हैं, रहने के लिए जगह है, ऐसा काम है जो मुझे पसंद है," रैमी ने पिता को समझाने का प्रयास किया. "मैं बीच-बीच में यहाँ आया करूंगा," उसने कहा. लेकिन अभी तो उसे अपने नये घर और रेस्त्रां जाना ही था. रैमी के पिता उसकी बात समझ न पाये.
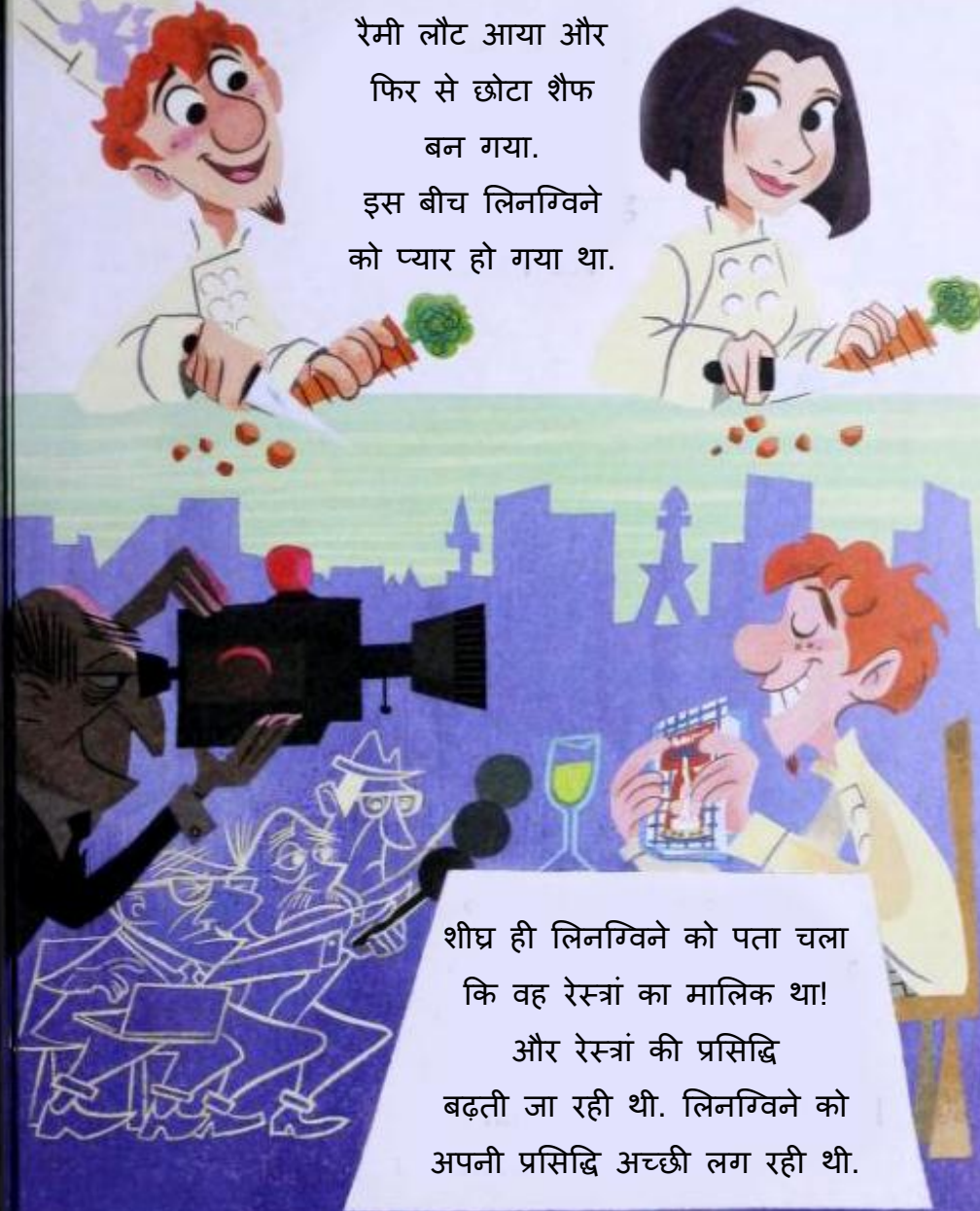
रैमी लौट आया और फिर से छोटा शैफ बन गया. इस बीच लिनग्विने को प्यार हो गया था.

शीघ्र ही लिनग्विने को पता चला कि वह रेस्त्रां का मालिक था! और रेस्त्रां की प्रसिद्धि बढ़ती जा रही थी. लिनग्विने को अपनी प्रसिद्धि अच्छी लग रही थी.
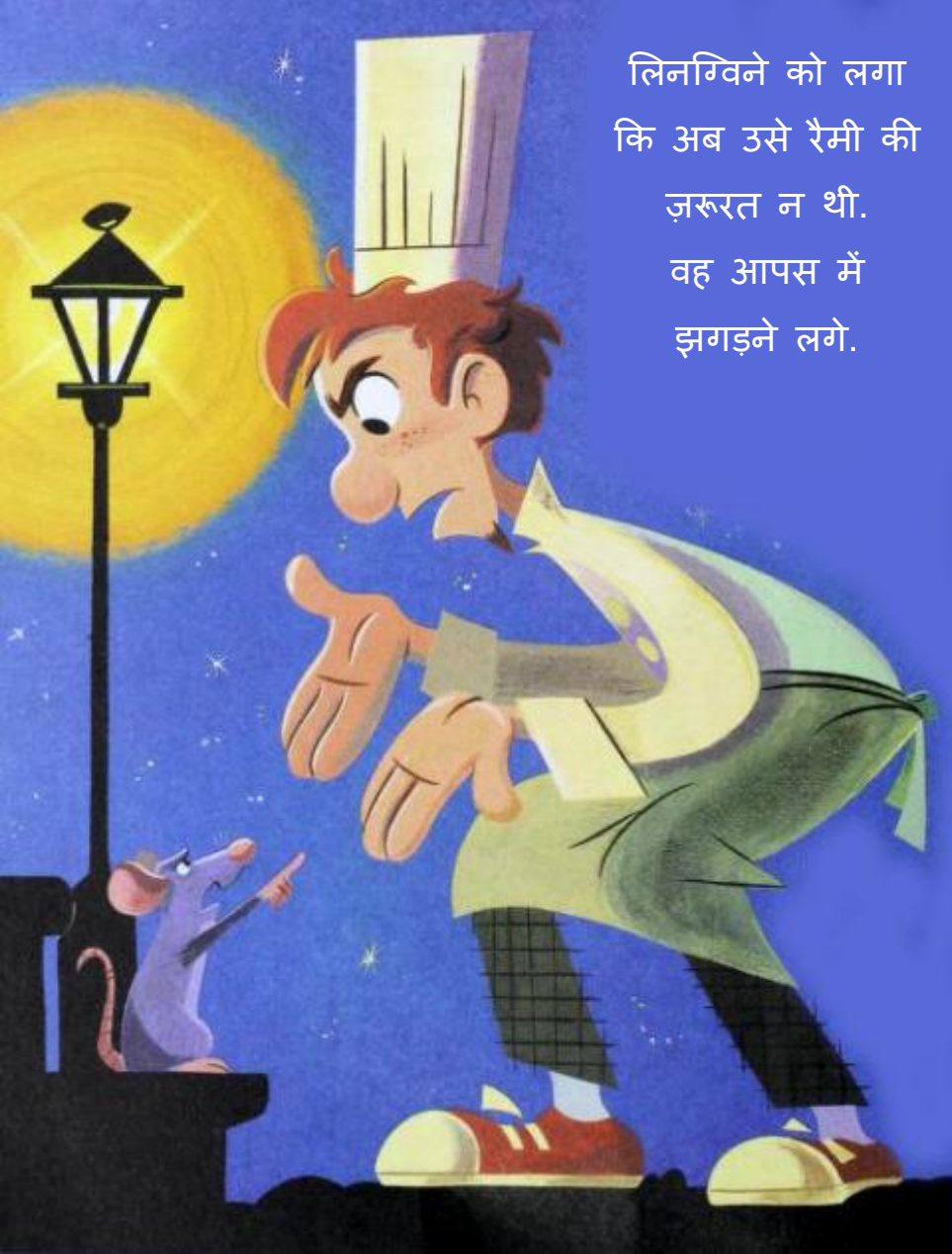
लिनग्विने को लगा
कि अब उसे रैमी की
ज़रूरत न थी.
वह आपस में
झगड़ने लगे.
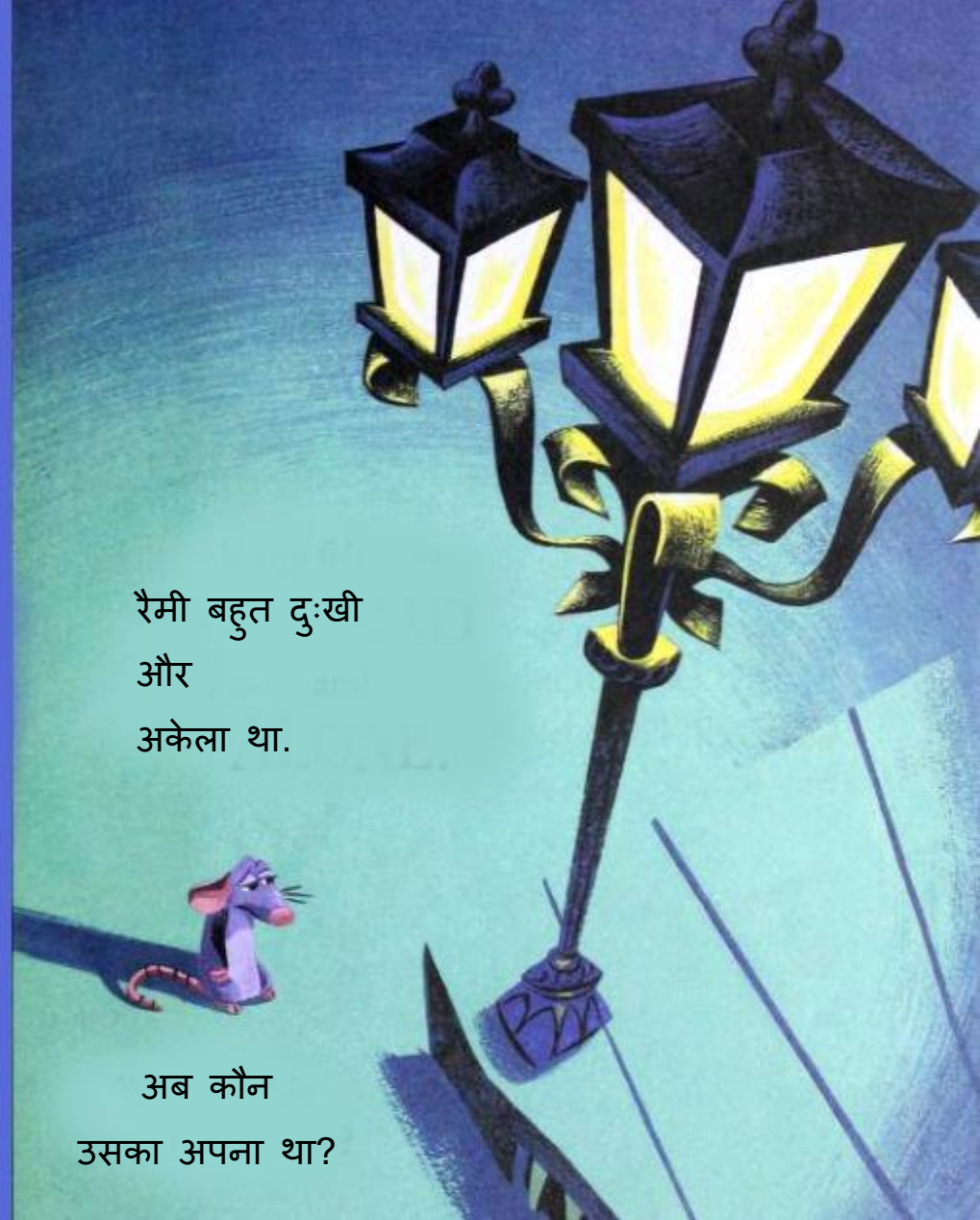
रैमी बहुत दुःखी
और
अकेला था.

अब कौन
उसका अपना था?

लेकिन लिनग्विने को सहायकों की आवश्यकता आ पड़ी

उसे एक विशिष्ट मेहमान के लिये विशिष्ट खाना बनाना था. और लिनग्विने ने रैमी से क्षमा मांगी. ओह-ओह! अन्य शैफों को चूहे बिलकुल पसंद न थे, इसलिये वह चले गये.

जैंगो ने देखा
कि रैमी के साथ
लिनग्विने अच्छा
व्यवहार कर रहा था.
उसने सब चूहों से कहा
कि विशिष्ट खाना
बनाने में सहायता करें.
सारे चूहे छोटे शैफ
बन गये.

चूहों की सहायता से
बढ़िया खाना बना.
और सबसे विशिष्ट पकवान
था, रैट्टूई!

चूहों ने स्वास्थ्य इंस्पेक्टर को
भगाने में
रैमी की सहायता की.........

.... इंस्पेक्टर ने फिर भी रेस्त्रां बंद
कर दिया क्योंकि वहाँ चूहे थे.

इस बात से
रैमी और उसके मित्रों को
एक विचार सुझाई दिया.
उन्होंने
एक नया रेस्त्रां
खोल लिया.
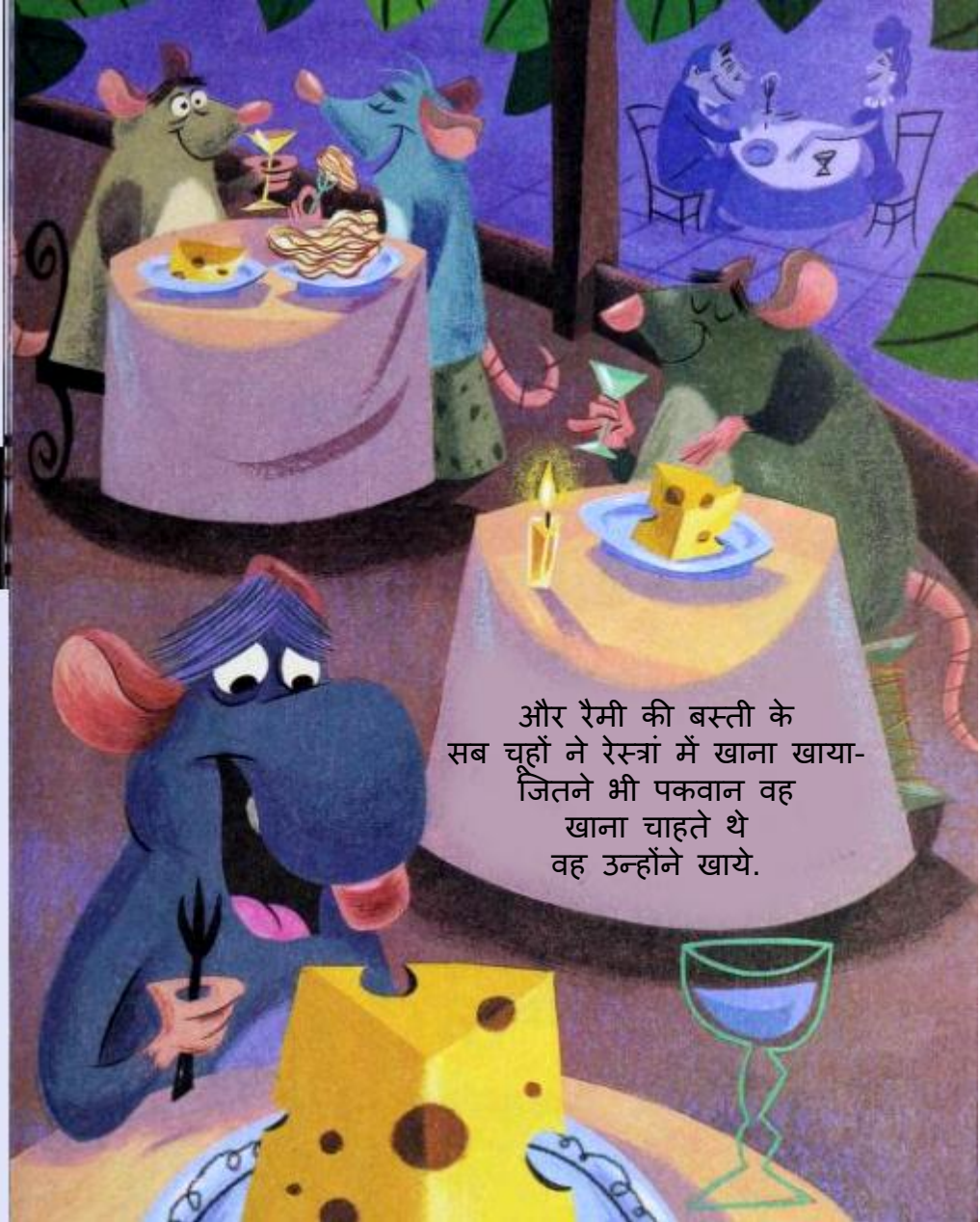
और रैमी की बस्ती के
सब चूहों ने रेस्त्रां में खाना खाया-
जितने भी पकवान वह
खाना चाहते थे
वह उन्होंने खाये.

Menu
"मुझे तुम पर
बहुत गर्व है,
चाहे कुछ भी हो,"
जैंगो ने कहा.
और सबसे अच्छी
बात तो यह हुई कि
रैमी अंततः एक शैफ
बन गया.

समाप्त